

ओ मैया तेरो घट हमसें समर न पाय
ओ अम्बे तेरो घट हमसें समर न पाय

दे शक्ति मैया घट रखवे की
श्रद्धा अटल मैया सेवा करवे की
पड़े चरणों में- शीश झुकाय री

ओ मैया.....

हर घट पे लाल ध्वजा अति सोहे
सुन्दर हवि लगे मन को मोहे
दर्शन से धन्न- हो जाँय री

ओ मैया.....

हर घट विराजीं तुम महारानी
घट-घट की वासीं तुम महारानी
सेवा सफल हो जाये री

ओ मैया.....

अम्बुआ की डार मैया झूला डारे
चरणों में चमके तेरे चाँद सितारे
खड़े- चौखट "श्री बाबा श्री" कहाँ जाँये री...

ओ मैया.....